

दिनांक 19 सितम्बर, 1983

क्रमांक 1179-ज(II)-83/29006.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्रीमती सरदन देवी, विधवा श्री जगमाल सिंह, गांव जैनाबाद, तहसील रिवाड़ी, जिला महेन्द्रगढ़, को रबी, 1973 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1060-ज(II)-83/23990.—श्री चुनी लाल, पुत्र श्री हर लाल, गांव बरसाना, तहसील दादरी, जिला भिवानी, की दिनांक 19 दिसम्बर, 1981 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री चुनी लाल को मुल्लिम 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 16892-जे-एन--(III)-66/20236, दिनांक 29 सितम्बर, 1966 अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970, तथा 1789-जे-(I)-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती छन कौर के नाम खरीफ, 1982 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1073-ज(II)-83/28994.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री कांशी राम, पुत्र श्री अडीसाल, गांव काकड़ोली हुक्मी, तहसील दादरी, जिला भिवानी, को रबी, 1975 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 1142-ज(II)-83/28998.—श्री रघुवीर सिंह, पुत्र श्री बलबन्त सिंह, गांव डीघल, तहसील झज्जर, जिला रोहतक, की दिनांक 2 जून, 1983 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री रघुवीर सिंह को मुल्लिम 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 101-ज-(II)-75/5812, दिनांक 6 मार्च, 1975 तथा अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-(I)-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती फूलपती के नाम रबी, 1984 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

दिनांक 20 सितम्बर, 1983

क्रमांक 1038-ज-(I)-83/29178.—श्री लेख राज, पुत्र श्री बोध राज, गांव बोह, तहसील व जिला अम्बाला, की दिनांक 13 अप्रैल, 1981 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री लेखराज को मुल्लिम 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 12008-जे. एन.-III-65/11058, दिनांक 18 दिसम्बर, 1966, तथा अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 तथा 1789-ज(I)79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती डेरो देवी के नाम खरीफ, 1983 से 380 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

टी. आर. तुली,

अवर सचिव, हरियाणा सरकार,
राजस्व विभाग।